OCTOBER MONTH

पाठ - ऐसी भी बातें होती हैं

मेरे उत्तर मेरे तर्क

1 (ग) स्वाभिमान और सच्चाई के साथ जीना

तर्क - हर परिस्थिति में सही बात पर खड़े रहना और किसी के आगे न झुकना।

कर्तव्यनिष्ठा

2 (घ) तर्क - उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाई।

संगीत की महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका

3 (घ) तर्क - मंगलागौर में गीत, नृत्य और सामूहिक उत्सव शामिल हैं, जो भारतीय सामाजिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

4 (घ) जीवन अस्थायी है, पर कर्म अमर रहते हैं।

तर्क - शरीर नष्ट हो जाता है, लेकिन काम और कर्म हमेशा बने रहते हैं।

5. (ग) आत्मीय

तर्क - उनका संबंध कोरस की लड़कियों से पारिवारिक और बहुत घनिष्ठ था।

6. (घ) संगीत में अपरिमित शक्ति होती है।

तर्क - संगीत में इतनी शक्ति होती है कि वह असाधारण प्रभाव पैदा कर सकता है।

7. (क) सादगी, समर्पण और आत्मसम्मान की

तर्क - विनम्रता, मेहनत, अनुशासन और आत्मसम्मान स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

मेरी समझ और विचार

1/30. यह प्रसंग दर्शाता है कि लता जी के परिवार में अनुशासन का आधार डर नहीं बल्कि सम्मान था। उनके पिताजी बिना डाँटे या मारे, केवल एक गंभीर दृष्टि से बच्चों को उनकी गलती का एहसास करा देते थे।

अनुशासन : जब पिताजी उन्हें देखते थे, तो बच्चे समझ जाते थे कि उनसे कोई गलती हुई है। यह मौन अनुशासन शब्दों से अधिक प्रभावशाली था।

स्नेह : गलती का अहसास कराने के तुरंत बाद वे बच्चों को "जाओ, बाहर जाकर खेलो" कहकर फिर से सामान्य कर देते थे।

२.
उ० लताजी के व्यक्तित्व और कला पर उनके पिता का गहरा प्रभाव था, जो निम्नलिखित बातों से प्रकट होता है —

संगीत की गहरी नींव, स्वाभिमान और निडरता, अपार समर्पण और साधना बहुआयामी दृष्टिकोण, मज़बूत नैतिक संस्कार आदि।

प्रभाव दर्शाने वाले मुख्य कार्य :

* नाम आगे बढ़ाना : लताजी हमेशा मानती थीं कि उनकी हर सफलता उनके पिताजी का ही आशीर्वाद है। उन्होंने दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल और पुरस्कारों के ज़रिए अपने पिता की स्मृति को जीवित रखा।
* फ़िल्मी दुनिया में रहने के बावजूद उन्होंने मराठी संस्कृति और शास्त्रीय संगीत को कभी नहीं छोड़ा, जो उनके पिता के व्यक्तित्व का मुख्य हिस्सा था।

उ० लता मंगेशकर के लिए नाम आगे बढ़ाने का अर्थ केवल प्रसिद्धि पाना नहीं है, बल्कि इससे एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है।
* उनके पिता की प्रतिष्ठा और सम्मान को बनाए रखना।
* उनके द्वारा सिखाए गए संगीत के मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाना।
* अपने कार्य में ईमानदारी, मेहनत और समर्पण दिखाना।

Day .....

उ० साक्षात्कार से पता चलता है कि लता जी ने अपने सहयोगियों के साथ संबंध बहुत ही आत्मीय, सरल और सम्मानजनक थे। उनकी सादगी, दूसरों से परिवार जैसा व्यवहार, वरिष्ठ संगीतकारों का सम्मान करना तथा अपने सहयोगियों के प्रति सहानुभूति के साथ एक टीम के रूप में काम किया।